

Nukkad Natak Monologue Devnagri (Hindi):

ये हैं बाबू भुलक्कड़ लाल, इनकी याददाश्त बड़ी कमाल।
आधी दाढ़ी कभी बनाएँ, शर्ट पहन लें, पैंट भूल जाएँ।
शादी किसकी थी ये भूलें, खुद ही जबकि बने थे दूल्हे।
ये हैं बाबू भुलक्कड़ लाल, इनकी याददाश्त बड़ी कमाल।
पर दुल्हिन गर्भवती हुई जब से, याद रखें कुछ बातें तब से।

हाँ? कौन सी बातें?

एक – अपना अस्पताल चुनना और पत्नी की जाँच करवाते रहना।
याद रखे हैं, याद रखे हैं।

दो – कभी किसी परेशानीया इमरजेंसी के लिए एम्बुलेंस का नंबर।
याद रखे हैं, याद रखे हैं।

तीन – जच्चा-बच्चा की सेहत के लिए आशा दीदी का नंबर।
याद रखे हैं, याद रखे हैं।

चार – बच्चे की पढ़ाई-लिखाई, अच्छे पालन-पोषण के लिए अभी से बचत करना। याद रखे हैं, याद रखे हैं।

पाँच – बच्चे को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण की जानकारी लेना। याद रखे हैं, याद रखे हैं।

भले ना कुछ भी याद रहे हो, ये पाँच बातें याद रखे हैं।
हैं इतने भुलक्कड़, भुलक्कड़ लाल, बड़े ग़ज़ब हैं इनके काम।
बच्चे के पैदा होने पर भूल गए क्या रखा था नाम।

लेकिन भैया, जब घरवाली के गर्भवती होने पर दुनिया भर की सारी बातें भूलने वाले भुलक्कड़ लाल जी ने भी ये
पाँच बातें याद रखीं,

तो आप भी आज से ही रखिए ये पाँच बातें हमेशा याद।

क्योंकि सुरक्षा तभी, जब शुरुआत अभी।